तुला राशि

तुला राशि का चिन्ह तराजू है। इस राशि वाले जातक सन्तुलन बहुत अच्छा होता है। इस राशि पर साढ़े साती का प्रभाव वर्ष भर बना रहेगा। घरेलू एवं व्यावसायिक उलझनें बढ़ेंगी, परन्तु ९ मई से आकस्मिक लाभ व बिगड़े हुए कामों में सुधार भी हो सकता है। मई तक बृहस्पति पंचम भाव में रहेंगे, सन्तान द्वारा सुखों की प्राप्ति होगी। सन्तान को उच्च शिक्षा या विवाह से सम्बन्धित समस्या का समाधान आपको मिल जायेंगे। गुरु व्यापार में भी लाभ करायेगा। आत्मश्विास-उत्साह बना रहेगा। यही गुरु स्वयं के स्वास्थ्य या माता-पिता के स्वास्थ्य को लेकर चिन्ता दे सकता है। शत्रु व विरोधियों से बच कर रहें। आपके विरुद्ध योजना या षड्यन्त्र रच सकते हैं।

स्वास्थ्य के लिए यह वर्ष अच्छा ही रहेगा। यद्यपि मानसिक रूप से शनि के कारण आप अशान्ति का अनुभव अवश्य करेंगे। समाज में भी आप अन्य लोगों की सहायता करेंगे, उनके सुख-दुःख में भी अपनी ओर से पूर्ण सहयोग देंगे। सब लोग आपसे प्रसन्न रहेंगे। इस वर्ष सोना-चाँदी, फ्रिज, टी.वी. आदि का क्रय कर सकते हैं। घर-मकान के रख-रखाव पर भी व्यय हो सकता है। आर्थिक स्थिति पहले से अधिक अच्छी रहेगी। परिवार सुख-शान्ति एवं समृद्धि से परिपूर्ण रहेगा। यह वर्ष पिता के लिए अशुभ रहेगा। तीसरे राहु के प्रभाव से भाई-बहनों में मतभेद हो सकता है। सम्पत्ति को लेकर बँटवारा भी हो सकता है।

व्यापार में सफलता के योग हैं। जनवरी से अप्रैल तक मंगल की स्थिति बहुत अच्छी नहीं है, दशम भाव में व्यापार में समस्याओं एवं बाधाओं का सामना करना पड़ सकता है। तृतीय भाव का राहु पराक्रम में वृद्धि करेगा। नौकरी या राजनीति में आपको किसी महत्वपूर्ण पद की प्राप्ति हो सकती है। समाज में आपका यश-मान बढ़ेगा। आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी। किसी तीसरे व्यक्ति के कारण प्रेम सम्बन्धों में तनाव आ सकता है। इस वर्ष लम्बी दूरी की विदेश यात्राएं हो सकती हैं।

इस वर्ष के लिए विशेष उपाय-

वर्ष भर शनि महाराज आपकी राशि में बारहवें भाव में रहेंगे। शनि का यह परिभ्रमण आपके लिए शुभ फलप्रद नहीं कहा जा सकता। सिर पर शनि का भ्रमण मानसिक तनाव देगा। धन प्राप्ति में बाधाएं आयेंगी। अनावश्यक खर्चों पर नियन्त्रण रखें और शनि के निम्न उपाय करें-

1. निरन्तर कम से कम सात शनिवार काले कपड़े में उड़द, साबुन, कोयला व स्टील का बर्तन दान करे।
2. शुक्रवार के दिन गोशाला में गाय को हरा चारा डालें।
3. रूई और दही का दान मन्दिर में देते रहें।